

पंचपरगनिया
केर
मइध कालिन काइब

भाग - 1

संकलन एवं संपादन
दीनबन्धु महतो

झारखण्ड झरोखा, राँची

ISBN • 978-93-81720-94-3

प्रथम संस्करण : 2014

सर्वाधिकार © : संपादक

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा

शोप नं.- डी. जी. 03, न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,

रातू रोड, राँची, (झारखण्ड), पिन नं. 834001

मो. 09973112040, 09471160792

E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

अजिल्द : 150.00

PANCHPARGANIYA KER MADHYA KALIN KAVYA

by Deenbandhu Mahato

आमुख

पंचपरगनिया भक्ति कालिन काइब रचना करेक माहान रामायन आर महाभारत एसन महाकाइब केर जगदान आहे। पंचपरगनिया छेतर' माहान जानकार लग तुलसिदास, किरतिबासि आर कौंसिराम केर दाराएँ रचल रामायन आर महाभारत पइह के सइत' जुग आर दापर जुग केर काथा के जानलएँ। रिदए माहान बइसल कहनि काथा गिला के किछु लग गित रूप माहान गाए सुरू करलएँ। किरतिबासि आर कौंसिराम केर दारा रचल महाकाइब बांगला भासा आर तुकबंदि छंद माहान रचना देखेके मिलतेहे। एतब कारने पंचपरगनिया भक्ति काल माहान जेतनाइ रचना हए आहे सउब गिला बांगला लिपि माहान आधारित आहे। जदि बा पंचपरगनिया गित रचना केर सबद' गिला बंगला लिपि माहान लिखल आहे, मनतुक से गित गिलाक राग, ताल, लए, छंद एमाइन गिला सउब पंचपरगनिया भासा माहान बंगला भासा केर परभाव देखाएला।

इ किताब टाएँ हिआँ केर एसन कबि केर रचना के जाएगा देल जाए आहे जे गिला रामायन आर महाभारत केर काथा के गितेक दाराएँ उजागर कइर आहएँ। कबि केर काइब रचना आपन इस्ट देव केर सुमिरन करल बादेइ दसर गित केर रचना आहे। कबि दीनबन्धु केर दारा रचल किस्न केर बंदना गित लेक सुरू करल जाए आहे। गित रचना केर संकलन माहान देह तत्व गित दसमि गित, मान मंजन, (धुमसिंह), मिलन गित, राजसुइ जइग (सत्रुकृत,) अर्जुन पाला (जादू), भिस्म पाला (हीरा), दसअवतार केर काथा, राम-घदना, दुर्गा बंदना, सिब उक्ति, दुर्गा उक्ति, दुर्गा केर सिता रूप धारन, कारा गृहे कृष्णा केर जनम, कृष्ण उक्ति, देवकि उक्ति, रास गित (दुर्यधन), भादरिआ, चउरंगिआ, रामकृष्ण बंदना (दुर्यधन), बसन्त बिरह (श्यामानंद), अर्जुन केर बिलाप, रासपाला (रामा) बिन्दाबन पाला (रामा), (जीवन) करम गित, (रामकृष्ण) अभिमन्यु केर विलाप (नरतम) कुट काइब रचना गिला के मेसाल जाए आहे। गित रचना करइआ कबि मइधे धुमसिंह, सत्रु, हीरा, दुर्यधन, रामा, श्यामानंद, नरतम केर रचना के मेसाल जाए आहे। माझे-माझे दसर तिसर कबि केर काइब गित रचना कउ जाएगा मिल आहे। किछु कुट काइब रचना आर देह तत्व लेक संबंधित गित रचना कउ इ किताब माहान जाएगा देल जाए आहे।

इ किताब केर दाराएं हिआँ केर जन समुदाए के एकटा नावा डहर देखाएक तेहें पहिला कदम हेके - एसन मर बिसास आहे। एखन केर नावा आर जुवा पिढ़ि के एकटा नावा दिसा मिलि। भक्तिकालिन काइब रचना गिला के पाइठक्रम केर अनुसारे इटा पहिला किताब हेके। इटा केर पहिला भाग माहान किछु मइधकालिन कबि केर काइब रचना के मेसाल जाए आहे। इकर दसर भाग माहान दसर कबि केर गित रचना केर परकासित हइ।

गित रचना केर परकासन किंबा लिखेक माहान काहुँ गलति हए आहे त' सेटाक तेहें छमा चाहतिहि आर सेटा माहान रउर केर सहमति चाहतिहि। गित केर जगाड़ करइआ मइधे जूठन साहु केर अभय जगदान आहें।

बिनित

प्रो. दीनबन्धु महतो

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग,

राँची विश्वविद्यालय, राँची।

विषय सूची

	पृष्ठ
1. बरजुराम ✓	9—14
2. दीनबंधु (दीना, दीनुआ) ✓	15—19
3. रामा	20—50
4. भवप्रीता ✓	51—55
5. धूमसिंह	56—74
6. बिनन्द सिंह ✓	75—78
7. शत्रुघ्न	79—84
8. जादु	85—92
9. उदय	93—94
10. हीरा	95—99
11. श्यामानंद	100—101
12. हरेकृष्णा	102—102
13. नरोत्तमा	103—107
14. बिधुमनी	108—108
15. द्विज टीमा	109—109
16. उपेन	110—110
17. द्विज रंग	110—110
18. कालिया	111—113
19. दुर्योधन	114—115
20. गौरा	116—116
21. त्रिलोक	117—117
22. गौरांगिया ✓	118—121
23. कलेबर	121—121
24. रामकृष्णा ✓	121—122
25. बिपिन	123—124
26. जूठन	124—124
27. द्वारिका	125—127

28.	जीवन	126—128
29.	अनंत	128—128
30.	मदन	129—129
31.	नारायण सिंह	130—130
32.	नित्यानंद	130—130
33.	देवनाथ	131—131
34.	लछुमन	131—131
35.	चैतन्य	132—132
36.	फतेसिंह	133—133
37.	गुणाधर	133—133
38.	सतिश	134—134
39.	गौर दास	135—135
40.	तारा	135—135
41.	पं. श्याम सुन्दर दास भागवत शास्त्री	136—137
42.	भारद्वाज	138—138
43.	रघु दास	139—139
44.	कुट काइब	140—144

परिचय

नाम : दीनबन्धु महतो

पिता : स्व. दुलाल महतो

माता : श्रीमति सुपति देवी

पता : ग्रा.+पो.-पोगड़ा, थाना-सिल्ली, राँची (झारखण्ड)

शिक्षा : बी.एस.सी., एम.ए. (पंचपरगनिया) नेट-2007

शिक्षण : सिल्ली कॉलेज, सिल्ली-1990 से अब तक,

आंशिक शिक्षण : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय,
राँची-1993 से अब तक



कृति :

1. मेसा कसा भाग-2 (दसवीं स्तर)
2. बांबरा - संकलन : 2012
3. गइदेक भिनु-भिनु डाइर - संकलन : 2012
4. झूमर संगीत (बिपिन बिहारी मुखी) - संकलन/अनुवाद : 2014
5. पंचपरगनिया केर मइष कालिन काइब - संकलन : 2014
6. रामकिस्ट गांगुली केर गीत- संकलन/अनुवाद : 2014
7. शब्दकोश संकलन (प्रतिभागी)

प्रकाशित आलेख :

1. आखड़ा पत्रिका
2. बिहान पत्रिका
3. झारखंड इनसाइक्लोपेडिया (पंचपरगनिया भाषा साहित्य) अंतर्राष्ट्रीय स्तर
के सेमिनार (प्रतिभागी)

द्योष कार्य : ज्योति लाल महादानी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

सम्मान : विश्व सेवा परिषद द्वारा झारखण्ड रत्न से सम्मानित - 2013

PUBLISHER :-

Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market

Ratu Road, Ranchi (Jharkhand), Pin-834001

Mob. - 09973112040, 09471160792

E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

मूल्य : 180.00 रु. मात्र

ISBN : 978-93-81720-94-3



978-93-81720-94-3

पंचपरगनिया केर मइष कालिन काइब
दीनबन्धु महतो